



॥ **ॐ** माहनिविजयनी अवमनिस्वाहा ॥ ४ चिकुडायात
खजयययमानकः धमनुन ॥ ॥ **ॐ** जिनजिनकि
जिनकथमसानकुराहाहं हृदस्वाहा ॥ ४ म्हाकसाथ
मनुन म्हा शुभ ॥ ॥ **ॐ** किमिमाहश्च दशमसमनु
हृदश्च हं हृदस्वाहा ॥ ४ किमिकाथयसाः यथसमनु ॥ ४

॥ **ॐ** अमरयातिस्मरकाचवदवाननहृदयमिषिवद्य
हृदगुरुकिसगनरुतमनुः श्रीस्वचउवाच ॥ ४ भवर्नम
वस्वयाकसात खजयययमानक ॥ ॥ **ॐ** अमनहं
धवभमं सहवाचहं स्वाहा ॥ ४ धवनुनकायायमाद
नयायहिंमसकाधमनिहृदय ॥ ॥ **ॐ** नॐ नमो
विननजजं हृदस्वाहा ॥ ४ धमनुन ग्वायसः वायायमागी

मयातनकः चिकुशायनास शलाशा ॥ ॥ ॐ अमृतं
 दध अमृतं संह वाच हं स्यात् ॥ ४ ॥ अमृतं नयाना आयुच
 आदयन याय जाय अतिशब्द ॥ ॥ ॐ किं टर सर्व की
 ट स्यात् ॥ अमृतं नयाना आयुच अमृतं नयाना आयुच
 अमृतं नयाना आयुच ॥ ॥ ॐ हं नुं हं ॥ अमृतं
 सिनुजायनं अमृतं अमृतं नयाना आयुच ॥ ॥ ॐ हं नुं हं ॥ अमृतं

पत्तस साय ॥ ॥ ॐ हं नुं हं ॥ अमृतं नयाना आयुच
 आविदामय शुलनिवारय समुद्र साययन्या यदि
 दिन २ हं हं ॥ अमृतं नयाना आयुच ॥ ॥ ॐ हं नुं हं ॥ अमृतं
 ॥ ॐ नम ॥ अमृतं नयाना आयुच ॥ ॥ ॐ हं नुं हं ॥ अमृतं
 रुदनि २ अमृतं नयाना आयुच ॥ ॥ ॐ हं नुं हं ॥ अमृतं
 यत जयययी किमिना ॥ ॥ अथ ॥ अमृतं नयाना आयुच ॥ ॥ ॐ हं नुं हं ॥ अमृतं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अलोच २ नमो काली गुरु ज थ अल्ला हूँ सुले वान की
वाचा ॥ जप हजार १००००० मित्तयेत कपने गु धाल १०८ पुये जुल लम्बर १
वं अल्ला म हूँ शमं व हूँ जप हजार १००००० धाल १० पुये जुल ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥
वं नमो काली गुरु ज थ सुले वान की वाचा जप हजार ५४००० मित्तयेत कप
ने गु ॥ लम्बर २ अथ चिक पाली वुया सोये गु मनत्र ॥ ॐ नमो भगती क
र्ण कि शोच नि चरा दवे रि वरु दस्वाहा ॥ लम्बर ३ ॥ ॐ नमो

अथ पानिमा फर्ने मंत्र ॥ वं भोग पिर्नु माहारा नि जै ई द्या गुरु सिंगि राम जी
रु द्या लमो वाचा रा संदरो पं डा पा मा स्वारी सा थ रा ना वेरी पलिला को
लै रते की पूर्व दक्षि न दुर्ग २ हूँ फट् स्वाहा यती मंत्र सात फेरा परी
पानिमा फर्नु दो श्रु पा नि मा फु कते अथ कु चो मा फर्ने मंत्र ॥ वं दु सु
ले गुरु ठे श्व ले गुरु ३ दु श्व ले मार्द ठे श्व ले मार्द ३ हूँ फट् स्वा
हा यमंत्र ले सात फेरा परी कु चो मा फर्नु त्र शरा कु च मा फु कते ॥

अथ आगोमा जाने मंत्र ॥ वं आसिमिस्व धुस्व सत आराम मेराम धूराम स
तये कार्ल वा चाले मारु दुवाली वा चाले मारु तितिर वा चाले मारु
मारु मारु क्या ले मारु नर्सि को वा चाले रू फट् स्वाहाः आगोमा सा
फरा यमंत्र परी जानु पे हो आगोमा फु करने मंत्र ॥ पानि पकाई ने
भाडामा ये कपे सा म के गोता ३ फट् गिरितु करा ये क धंतीति न

चिज् लाई सवै मंत्र परी सात फरा जरै पानि पकाया को भाडामा ख
साति दिनु त्यो पानि पकाया को पानि मा कु चो ले पानि को मंत्र सात
फरा जानु ॥ त्यो विधिति धे पछा पकाये को पानि ले आ फु लाई
पोल् छ पोल् दैन भनि आ फु लाई हे नु पछि विरामिलाई
घ्यापि दिनु घ्यापि सिधे पछा गाई को धू १। २ तोला

अंताजेतताई नुतताई सिधेपद्दी सवैमंत्रयेक फेरापरी
घूमफारी विरामिको आडुमा घशिदिनुतोदिसिधेपद्दी
पानिको मंत्रयेक फेरापरी पकायेको भाडामा फुकिदो रि
दिनुपद्दि वैद्यतेर विरानिले कपहिचमेनागनु पद्द संपूर्ण
वातरोगमागने हो ॥०॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवती पद्मपद्मावती ॐ दिं ॐ श्रीं ।
पूर्वाय दक्षिणाय पश्चिमाय उत्राय आन
पुस्य सर्वजनवस्य कुह २ स्वहाः ध्यात १०८
अपयानाः याये धुरिंति पैले पूर्व सोया दध्या
वीने दधकोपुये जिंकोतकपुये धुविधुनेत्र

दक्षिणसोयाः पश्चिमसोयाः उत्तरसोया थोहे
तं पाये जगत नमे आहं तरफर्यामनूवस्य गुप्
संप्रसा आकर्म गुप् ॥०॥

ॐ नमो श्रीगणेशाय नमो अगुई गमले कुलेस्वी
पद्मवांधये ॥०॥ मिमामिजं धि का वस्य

ॐ किं २ किं २ मिं २ धुं पवज्जाय नमो स्वहाः
धात १० भिं योयाधु १ जगपाये गूमन्ता
ईन्द्रजो १ तड्डराज १ सुकमेल् १ रूपकेशरी १
ई.का १ पका १ ध्यातं वाते भिमसिन्धुपुत्र
साहधुप १

आशा बरकरार

1486

ASHA ARCHIVES

महाराष्ट्र

जाम्ना सरकारी

1486

ASHA ARCHIVES

॥ भिं शो यामन ॥ ॥ जगत्तस्यै गुई गूमत्तन्नित्येयाप
ॐ नमो श्री ३ भीमस्येन सत्येवान्वा ॐ हूं ज. जगत्तेव
सात्तमजभीमस्येनायनमोस्वहाः ध्वमन्त्रनित्ये
अपयाये जगत्तमोहजु खा तो क दुहा व यूनिश्वये

॥ ॐ दौ दौ दौ स्वहाः धात् १०८ ध्वमन्त्रभुजा
पत्रस स्वाये कचिवांचिनाजन् व दयेके ध्व
जन्त्रयात्त वहात्तया पूजायाये पूजा सिधे व
धात् २९ वीनाद्ध थाये त किंतात्तातये ध्व
जन्त्रयात्त नित्ये धुपुथने प स होगाहा व यू

हाई वात्त चाई चडरा सवात्त ज्ञाना

फिर को द्रिया पा है वीरवान गुरु साई

धोरवा धोरवा माग एवं धनखेच के हातमार
तालवार सतगुरु कि वाचा फट ॥१॥

तालवार सतगुरु कि वाचा फट ॥१॥

रेमिलाई:

आहुः वा न ने विष्टे र परा निमा म न श्री श्री मा

साई नू जो नि जो नि मा प नी लाई नू को से ले दु उ

५१ नैतये काई पर परकी वि लात पर

पुर्वि सिर्मा लाई ना हो आग्र कवज ई ज

ॐ गुरु आग्याई कालि महा कालि भद्र कालि

कनभानुअथवाडब्दा पानिह्वाडन् लपुर्गा रो००

कं कालि करवाति देविके हल्ली के त ल्ली
के फलमाता चन्दि के धाल ७ अवा धाल २९
ऊं ऊं ऊं फट् स्वहाः धाल १०८ सपूर्ण गैग लाई
रवो कशिले दुखदि ये मा पनि जगु पाणि डैल टा
रघाईनु चन्दि के सम्ममा गपरन् सपूर्ण रोग

लाई गनु अरु आरु वानु परेता पनि अर्का को
वात्र फेला गनु परेता पनि ये क मुठि चामल
हात मा लिये र विरामिलाई छूई ऊं ऊं ऊं फट्
स्वहाः सम्मपरि धाल १०८ परिकन चामल
हाति पठाई नू वानु फेलाई छूई उरारु मारु
कारन् चन्दि को मन्त्र ॥ पैला चन्दि पूजा

देविके हल्ली के त ल्ली
के फलमाता चन्दि के धाल ७ अवा धाल २९
ऊं ऊं ऊं फट् स्वहाः धाल १०८ सपूर्ण गैग लाई
रवो कशिले दुखदि ये मा पनि जगु पाणि डैल टा
रघाईनु चन्दि के सम्ममा गपरन् सपूर्ण रोग

गारि शानो चाम तर ऊं ईः पितल वो था हर मा
मा शो मा चाम तर शो वि लो चाम तर ला ईः ३२
पुजा को शो मा शो वि कान पूजा गर्नु भोग दि
शो चो चाल ला ईः लान पेरा पुर्वि जगाई रू जगाई
सके पादि अनि भोग दी पूजा गर्नु पूजा गारि शो के

१०८ वाजि लो चाम तमा पुर्वि शत्रु को नाई
दी सत्रु को दिशा हेरि चाम तला नि पंडू रू
वान पेराई गुला ईः पने दं कि नी को ग्या न दं कि
नी पेराई मेरो ग्या न मे पेराई

अर्वाली हानि को वानरुक्ति पारने

ॐ ई न गुन महा गुन पंचितर शान आ राम
वि वा चा धा ला २१ आ का चा लि आ नु प नि
कुन्द सो रो ग ला ई पा नि उ ट टा गा रि द्वा ई न
प नि कुन्द रो ग ना ला कुन्द वा नु प नि धु मि आ न्द

वो क शि चि ये गू म न र ग
अ नू दा मुं दा हि नी द्द वो क शि मा न्द आ र वि
च लो आ रि वि वा धु पा ई च लो पा ई वा धु ३
शि प्री वा धुं धा ला ७॥ र व रा नि हा न् मा लि ७ पे
रा प्र कि नि रा र मा ला ई दि न

वोकरा शिनीता दोगूमन्त्र

ॐ दंकिनी २ दोर २ दंकिनी किना लकर

जाव फट २ स्वहाः सात फटा शिमा फुकिदिनु

रवा निपुदिदिनु वोकर सि हो धारि जा द

भिम सिन धुप जगो पाये गुथ्वतं रव सर्व वस्येया
नाम काया हवस्य जुयूत पाये

ॐ नमो भगते सरस्वक मुखि चाम रह चिरि
मिरि पात के अमुक वसमान यस्याः धार २९

आशा सरकाथि

1.486

ASHA ARCHIVES